9. कबीर ने ईश्वर - प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?

उत्तर- कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है उनके अनुसार ईश्वर न मंदिर में है, न मस्जिद में, न काबा में है, न कैलाश में। ईश्वर को न तो कर्मकांड से पाया जा सकता है, न योग साधना से और न वैरागी बनने से यह सब केवल बाहरी दिखावे हैं इनके माध्यम से ईश्वर प्राप्ति का प्रयास व्यर्थ है।

10. कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वास में' क्यों कहा है?

उत्तर- कबीर ने ईश्वर को ' सब स्वाँसों की स्वाँस में ' कहा है क्योंकि ईश्वर संसार में व्याप्त प्रत्येक कण-कण में समाया हुआ है। वह हर प्राणी की साँस में समाया हुआ है अर्थात् वह हर प्राणी में विराजमान है।

11. कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की ?

उत्तर- सामान्य हवा धीरे - धीरे चलती है तथा अपने आसपास की वस्तुओं को प्रभावित नहीं कर पाती है। यही कारण है कि कबीरदास ने ज्ञान की तुलना आँधी से की है क्योंकि आँधी तेज गति से आती है तथा परिवर्तन करती है। जिस प्रकार आँधी के तेज गति से आने से कूड़ा-करकट , पत्तियाँ, घास-फूस आदि उड़कर दूर चली जाती हैं। उसी प्रकार ज्ञान की आँधी आने से मनुष्य के मन पर पड़ा पर्दा उड़ जाता है तथा मनुष्य को असली ज्ञान प्राप्त हो जाता है। ज्ञान की आँधी मनुष्य के अंदर व्याप्त दूषित भावनाओं को नष्ट कर देती है जिससे मनुष्य का मन बंधनों से मुक्त होकर प्रभु की भक्ति में लीन रहता है ।

12. ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- ज्ञान की आँधी आने पर भक्तों के मन के सारे पाप एवं विकार नष्ट हो जाते हैं तथा अज्ञानता का भ्रम दूर हो जाता है। मन से लोभ , लालच, मोह, स्वार्थ आदि निकल जाते हैं। इसके उपरांत भक्त के मन में प्रभु भक्ति का भाव जगता है और भक्त का जीवन भक्ति के आनंद में डूब जाता है।

13. भाव स्पष्ट कीजिए-

क) हिति चित्त की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियों में कबीरदास जी ने बताया है कि आँधी के कारण मनुष्य के मन पर पड़े प्रभाव के फलस्वरूप मनुष्य के स्वार्थ रूपी दोनों खंभे टूट गए तथा मोह रूपी बल्ली भी गिर गई साथ ही कामना रूपी छप्पर भी नीचे गिर गया इससे मन की बुराईयाँ नष्ट हो गई और साधक का मन, साफ, शांत एवं निर्मल हो गया।

ख) आँधी पीछे जो जल बूठा , प्रेम हरिजन भींनाँ।

उत्तर- ज्ञान रूपी आँधी के पश्चात् भक्ति रूपी जल की वर्षा हुई जिसके प्रेम में ईश्वर के सब भक्त भींग गए। ज्ञान की प्राप्ति के पश्चात् मन शुद्ध हो गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मोको कहां ढूंढे बंदे पद में कवि ने ईश्वर को कहाँ ढूँढने के लिए कहा है?

a. मंदिर b. मस्जिद में
c. कर्मकांड में d. अपने अंदर

2. ज्ञान की आंधी के आने से क्या समाप्त हो जाता है?

a. भक्ति b. आस्था
c. भ्रम d. विश्वास

3. ' कुबुद्धि का भांडा फूटा ' से आप क्या समझते हैं

a. बर्तन टूट गए b. कुबुद्धि भंडार टूटा
c. भेद खुल गया d. इनमें से कोई नहीं

4. अज्ञान का अंधकार किस ज्ञान रूपी से नष्ट हुआ?

a. सूर्य b. चंद्रमा
c. तारा d. मशाल

5. परमात्मा को सच्चे हृदय से खोजने से कितनी देर में मिल जाते हैं?

a. एक दिन b. पल भर
c. एक सप्ताह d. एक माह

6. सांसारिक प्राणी किस झगड़े में उलझे हुए हैं?

a. धन - दौलत b. घर- संसार
c. पक्ष -विपक्ष d. इनमें से कोई नहीं

7. प्रेमी को प्रेमी मिले से क्या होता है?

a. लोग जलते हैं।
b. अमृत विष हो जाता है।
c. विष अमृत हो जाता है।.
d. सब कुछ समाप्त हो जाता है।

8. प्रभु साधक को किसकी परवाह किए बिना अपने पद पर बढ़ते जाना चाहिए?

a. लोक निंदा की b. संघर्षों की
c. अपनों की d. इनमें से कोई नहीं।

9. कबीरदास की मृत्यु कब हुई?

a. 1518 b. 1318
c. 1418 d. 1618

10. स्वान कैसा शब्द है?

a. तत्सम b. तद्भव
c. देशज d. विदेशज

11. इनमें से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?

a. हस्ती b. क्रीड़ा
c. स्वान d. इनमें से कोई नहीं.

12. सोई संत सुजान में कौन सा अलंकार है?

a. चमक b. रूपक
c. अनुप्रास d. श्लेष

13. दूसरे सबद में किसके महत्व का वर्णन किया गया है?

a. रूप का b. ज्ञान का
c. वेशभूषा का d. यश का

14. कबीरदास का जन्म कहाँ हुआ था?
a. काशी में b. मगहर में
c. दिल्ली में d. मथुरा में

15. ' हस्ति चढ़िए ज्ञान कौ ' में ' हस्ति ' क्या है ?
a. हाथ b. हाथी
c. हिम्मत d. इनमें से कोई नहीं

16. लोग ईश्वर को कहाँ ढूँढते हैं?
a. मंदिर में b. मस्जिद में
c. काबा और कैलाश में d. उपर्युक्त सभी जगह

17. कबीर ने किन-किन धारणाओं का खंडन किया?
a. ईश्वर मंदिर और मस्जिद में है।
b. ईश्वर को कर्मकांड से पाया जा सकता है ।
c. ईश्वर काबा या कैलाश में है।
d. उपर्युक्त सभी का खंडन किया है ।

18. ईश्वर कहाँ रहते हैं?
a. प्रत्येक प्राणी के हृदय में
b. काशी में
c. काबा में
d. इनमें से कोई नहीं

19. मनुष्य कब महान कहलाता है?
a. जब वह अपने धर्म संप्रदाय को बढ़ावा देता है
b. जब उसके कर्म ऊँचे होते हैं
c. जब वह ऊँचे कुल में जन्म लेता है
d. जब वह धनी परिवार में जन्म लेता है

20. ज्ञान की आँधी आने पर क्या होता है?
a. मनुष्य की अज्ञानता समाप्त हो जाती है
b. मनुष्य का भ्रम दूर हो जाता है
c. माया - मोह से छुटकारा मिल जाता है
d. उपर्युक्त सभी कथन सत्य है

21. साखी से क्या शिक्षा मिलती है?
a. किसी एक धर्म को मानना
b. आपसी भेदभाव का विरोध
c. धार्मिक भेदभाव पर जोर देना
d. इनमें से कोई नहीं

22. कबीर ने संत के क्या लक्षण बताए हैं?
a. वह किसी मत को नहीं मानता है
b. वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है
c. वह किसी एक मत को मानता है
d. वह सभी मतों को मानता है

23. दोहे में हंस किसका प्रतीक है?
a. मुक्ति का b. ईश्वर भक्त का
c. सत्य का d. भक्ति का

24. निम्न में तत्सम शब्द कौन - सा है?
a. जोग b. निरपेक्ष
c. केलि d. अनत

25. दो सच्चे प्रभु - प्रेमी के मिलने से क्या होता है?
a. बुरी भावनाएँ नष्ट हो जाती हैं
b. पाप - पुण्य में बदल जाते हैं
c. मन साफ हो जाता है
d. उपर्युक्त सभी

26. कबीर ने संसार की तुलना किससे की है?
a. मनुष्य b. हाथी
c. हंस d. कुत्ते

27. कबीर को ढूँढने पर भी क्या नहीं मिलता?
a. धन b. ईश्वर
c. मित्र d. ईश्वर प्रेमी

28. हृदय की तुलना किससे की गई है?
a. मोती b. मानसरोवर
c. मन d. आत्मा

29. कबीर के अनुसार संसार के लोगों का क्या काम है?
a. सिर्फ अपने बारे में सोचना
b. दूसरों की मदद करना
c. व्यर्थ ही दूसरों के बारे में बातें कर अपना समय बर्बाद करना
d. उपरोक्त सभी

30. ' झख मारना ' क्या होता है?
a. काम करना b. सोना
c समय बर्बाद करना d. शिकार करना

31. किसको सब स्वाँसों की स्वाँस में कहा गया है?
a. पक्षी को b. हर प्राणी को
c. ईश्वर को d. मनुष्य को

32. सज्जन लोग कौन से सोने के पात्र की निंदा करते हैं?
a. जो नया हो b. जो शराब से भरा हो
c. जो टूटा हुआ हो d. जो विष से भरा हो

33. ' उदित भया तम खीनां ' निम्न पंक्तियों में खीनां का अर्थ है?
a. मरा हुआ b. अधमरा
c. जीवित d. क्षीण हुआ

34. दुलीचा का क्या अर्थ है?
a. मलीन b. कालीन
c. शराब d. बगीचा

35. मिलन में प्रत्यय है-
a. अन b. मि
c. लान d. मिल

36. ढूँढत का अर्थ है-
a. पाना b. लेना
c. खोजना d. याद करना

37. साखियाँ के कवि कौन हैं?
a. कबीरदास b. मीराबाई
c. रसखान d. सूरदास

38. मानसरोवर में कौन विहार कर रहा है?
a. मनुष्य b. हंस
c. मछलियाँ d. मेंढ़क

39. किसी भी व्यक्ति की पहचान किससे होती है?
a. रूप - रंग से b. वेशभूषा से
c. कर्म से d. वंश से

40. हरि भजन के लिए किस भावना का होना आवश्यक है?
a. यशगान b. निंदा
c. संघर्ष d. निष्पक्ष

41. निरचू से क्या तात्पर्य है?
a. नहीं b. थोड़ा भी
c. नहाना d. नीचे

42. गुरुग्रंथ साहब में किसकी रचना संकलित हैं ?
a. ललधाद b. चपला देवी
c. रसखान d. कबीर

43. काबा किनका तीर्थ स्थल है?
a. मुसलमानों का b. हिंदुओं का
c. इसाईयों का d. सिक्खों का

44. तृष्णा रूपी छप्पर को ज्ञान की किसने गिरा दिया?
a. वर्षा b. आँधी
c. भूकंप d. बाढ़

45. सुभर से क्या तात्पर्य है?
a. सुशील b. सुंदर
c. सुदृढ़
d. अच्छी तरह से भरा हुआ

46. आँधी पीछे जो जल बूठा में बूठा क्या है?
a. बरसा b. बैठा
c. बूढ़ा d. चला

47. केलि का क्या अर्थ है?
a. केला b. क्रीड़ा
c. कौआ d. कलेवा

48. ' कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी ' में अलंकार है -
a. श्लेष b. अतिश्योक्ति
c. यमक d. अनुप्रास

49. थूँनी से क्या तात्पर्य है?
a. स्तंभ b. टेक
c. छप्पर d. स्तंभ और टेक दोनों

50. ' अमृत ' कैसा शब्द है ?
a. देशज b. विदेशज
c. तत्सम d. तद्भव

51. 'कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम खीनाँ' में भान का क्या अर्थ है?
a. सूर्य b. चंद्रमा
c. नक्षत्र d. ग्रह

52. मन को शीतल रखने से क्या होता है?
a. अहंकार नष्ट होता है b. बैर समाप्त होता है
c. प्रेम बढ़ता है d. उपर्युक्त सभी

53. कबीर की साखियों में किसका उल्लेख है?
a. प्रेम का महत्व b. संत के लक्षण
c. ज्ञान की महिमा d. उपर्युक्त सभी

54. कबीर दास जी ने बाह्याडंबरों का विरोध किस सबद में किया है?
a. पहले b. दूसरे
c. तीसरे d. चौथे

55. मनुष्य ईश्वर को कहाँ ढूँढ़ता फिरता है?
a. मंदिर - मस्जिद b. गाँव - शहर
c. गली - गली d. इनमें से कोई नहीं

56. भ्रम का क्या अर्थ है?
a. शंका b. ज्ञान
c. बुराई d. विचार

57. ' मान सरोवर - - - - - - अनत न जाहि ' में कौन - सा अलंकार है?
a. अन्योक्ति b. रूपक
c. श्लेष d. उपमा

58. सुबरन कलस - - - - - - - , साधु निंदा सोई। काव्यांश को पूरा करें।
a. सुभर जल b. सुरा भरा
c. अनत न जाहि d. जग रहा

59. कहै कबीर - - - - - - -, जो दुहुँ के निकटि न जाइ, काव्यांश को पूरा करें।
a. सो जीविता b. सो कराहिं
c. अनत न d. झख मारि

60. कबीर की रचनाएँ संकलित हैं-
a. सूरसागर में b. सूरसारावली में
c. कबीर ग्रंथावली में d. इनमें से कोई नहीं

61. कबीरदास की रचनाएँ मिलती है-
a. सबद के रूप में b. साखी के रूप में
c. रमैनी के रूप में d. उपर्युक्त सभी

62. कबीरदास ने - - - - - - - किए।
a. धार्मिक कार्य b. समाज सुधार के कार्य
c. आर्थिक सुधार के कार्य d. इनमें से कोई नहीं

63. कबीरदास जी थे -
a. नास्तिक b. आस्तिक
c. निर्गुण के उपासक d. सगुण के उपासक

64. कबीर दास के पिता का नाम था-
a. हीरा b. नीरू
c. शेखू d. रामू

65. कवि के अनुसार ' संत - सुजान ' कौन हो सकता है?
a. अपने धर्म का प्रचार करने वाला

b. साधु - संत
c. निष्पक्ष भाव से प्रभु को स्मरण करने वाला
d. इनमें से कोई नहीं

66. कबीर की मृत्यु कहाँ हुई?
a. आगरा b. दिल्ली
c. मथुरा d. मगहर

67. कबीर का जन्म कब हुआ था?
a. 1398 b. 1395
c. 1393 d. 1389

68. कबीर ने ज्ञान की तुलना किससे की है?
a. स्वान b. हाथी
c. हंस d. मोती

69. कबीर किसका आनंद लेना चाहते हैं?
a. धन का b. शिक्षा का
c. मुक्ति का d. भोजन का

70. स्वर्ण पात्र में क्या रखा हुआ है?
a. विष b. अमृत
c. मदिरा d. पानी

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. d,	2. c,	3. c,	4. a,	5. b,	6. c,
7. c,	8. a,	9. a,	10. a,	11. b,	12. c,
13. b,	14. a,	15. b,	16. d,	17. d,	18. a,
19. b,	20. d,	21. b,	22. b,	23. b,	24. c,
25. d,	26. d,	27. d,	28. b,	29. c,	30. c,
31. c,	32. b,	33. d,	34. b	35. a,	36. c,
37. a,	38. b,	39. c,	40. d,	41. b,	42. d,
43. a,	44. b,	45. d,	46. a,	47. b,	48. d,
49. a,	50. c,	51. a,	52. d,	53. d,	54. a,
55. a,	56. a,	57. b,	58. b,	59. a,	60. c,
61. d,	62. b,	63. c,	64. b,	65. c,	66. d,
67. a,	68. b,	69. c,	70. c.		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. " काबा फिरि कासी भया , रामहि भया रहीम । मोट चून मैदा भया बैठि कबीरा जीम ॥" का मूल भाव क्या है?

उत्तर- धार्मिक भेदभाव मिट जाने के बाद राम - रहीम, काबा काशी में कोई अंतर नहीं रह गया है। इसका मूल भाव यह है कि ईश्वर एक है।

2. ' मानसरोवर, सुभर जल - - - - - - - उड़ि अनत न जाहि ' इस साखी में हंस और मानसरोवर किसके प्रतीक है?

उत्तर- हंस जीवात्मा का और मानसरोवर आनंदवृत्ति वाले मन का एवं शून्य विकार के अमृत कुंड का प्रतीक है।

3. कबीरदास जी ने ज्ञानी और संत किसे बताया ?

उत्तर- जो सरल हृदय से निष्पक्ष होकर सम्प्रदायों से ऊपर उठकर प्रभु का ध्यान करता है।

4. कबीरदास के गुरु का क्या नाम था ?

उत्तर- कबीरदास के गुरु का नाम रामानंद था।

5. हम ईश्वर को क्यों नहीं ढूंढ पाते हैं?

उत्तर- क्योंकि हम ईश्वर को अपने अंत:करण में ढूँढ़ने के बजाय मंदिर - मस्जिद , काबा - कैलाश जैसे धार्मिक स्थलों में ढूँढते हैं ।

6. कबीरदास की रचनाएँ कहाँ संकलित है?

उत्तर- कबीर ग्रंथावली में ।

7. प्रस्तुत साखी में ' सुजान ' का क्या अर्थ है?

उत्तर- चतुर या ज्ञानी

8. कबीर ने कहां से ज्ञान प्राप्त किया था?

उत्तर- सत्संग , पर्यटन तथा अनुभव से ।

9. कबीर ने कैसे मनुष्य की कल्पना की ?

उत्तर- कबीरदास ने सामाजिक भेदभाव से मुक्त मनुष्य की कल्पना की।

10. सुबरन कलस सुरा भरा का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- सोने के कलश में शराब भरा हुआ।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. 'कबीर की साखी में 'विष' और 'अमृत' किसके प्रतीक हैं?

उत्तर- कबीर की साखी में 'विष' मनुष्य मन में उपस्थित वासनाओं, मोह-माया, स्वार्थ, लालच तथा पापों का प्रतीक है और 'अमृत' प्रभु की भक्ति, भक्ति से प्राप्त आनंद, पुण्य तथा सद्गुण आदि का प्रतीक है।

2. कबीर ने संसार को स्वान रूप क्यों कहा है?

उत्तर- अपने रास्ते पर बढ़ते हुए हाथी को देखकर कुत्ते अनायास ही भौंकना आरंभ कर देते हैं और हाथी बिना परवाह किए आगे बढ़ता जाता है उसी प्रकार भक्ति तथा ज्ञान प्राप्त करने में लीन लोगों को देखकर संसार उसकी निंदा करना शुरू कर देता है। इसी प्रवृत्ति के कारण कबीर ने संसार को स्वान कहा है।

3. हंस किसके प्रतीक हैं? वे मानसरोवर छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते हैं ?

उत्तर- हंस जीवात्मा के प्रतीक हैं। वे मानसरोवर अर्थात् मन रूपी सरोवर को छोड़कर अन्यत्र इसलिए नहीं जाना चाहते क्योंकि मानसरोवर में वह आनंद रूपी मोती को चुगता रहता है। इस आनंद रूपी मोती छोड़कर वह किसी अन्य जगह नहीं जाना चाहता है।

4. कबीर ने ' जीवित ' किसे कहा है?

उत्तर- कबीर ने उस व्यक्ति को जीवित कहा है जो राम और

रहीम को लेकर दुविधा में नहीं पड़ते हैं। जो व्यक्ति दुविधा में पड़कर राम-राम या ख़ुदा - खुदा करते रह जाते हैं, उनके हाथ कुछ नहीं लगता है। इन दोनों से दूर रहकर प्रभु की सच्ची भक्ति करने वाले को ही कबीर ने जीवित कहा है।

5. कबीर ने 'भान' किसे कहा है? उसके प्रकट होने पर भक्त पर क्या प्रभाव पडता है?

उत्तर- कबीर ने 'भान' (सूर्य) ज्ञान को कहा है। ज्ञान प्राप्त होने पर मनुष्य के मन का अंधकार दूर हो जाता है। इस अंधकार के दूर होने से मनुष्य के मन से बूरे विचार निकल जाते हैं। वह सच्चे मन से प्रभु की भक्ति करता है और उस आनंद में डूब जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. कबीर की साखियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कबीर सच्चे समाज सुधारक थे?

उत्तर- कबीर ने अपनी साखियों के द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों तथा बुराइयों पर प्रहार किया है। उन्होंने राम और ख़ुदा को एक माना है । काशी, कैलाश की यात्रा, योग- वैराग्य तथा कर्मकांड जैसी क्रियाओं के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति के प्रयास को निरर्थक बताया है। उन्होंने मनुष्य को अपने अंदर ही प्रभु को खोजने की सलाह दी है। इसके अलावा ऊँचे कुल में जन्म लेकर महान कहलाने वालों के अभिमान पर भी चोट किया है। कबीरदास जी ने हिन्दू - मुसलमानों की एकता पर विशेष जोर दिया है।

2. मोको कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में ।
ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में।
कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में।।
इन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट करें।

उत्तर- इन पंक्तियों में कबीरदास जी ने बताया है कि मनुष्य ईश्वर की खोज में इधर- उधर भटकता रहता है । ईश्वर कहते हैं कि हे मनुष्य ! तुम मुझे कहाँ ढूँढ रहे हो ना तो मैं मंदिर में हूँ ना मैं मस्जिद में ना ही मैं काबा में हूँ और ना कैलाश में। ना तो किसी क्रिया कर्म से मुझको पाया जा सकता है और ना ही योग और वैराग्य से । जो साधक मुझे सच्चे मन से खोजता है, उसे मैं पल भर की तलाश में ही मिल जाता हूँ । हे साधक सुनो ईश्वर सब प्राणी के अन्दर अर्थात् सब प्राणी के साँस में ही निवास करते हैं जरूरत है तो उसे सच्चे मन से तलाशने की।

पाठ - 10 वाख

कवि परिचय

ललद्यद

जन्म :- सन् 1320 में,

स्थान :- कश्मीर स्थित पाम्पोर के सिमपुरा गाँव में। उनके जीवन के बारे में प्रामाणिक जानकारी नहीं मिलती है।

- ललद्यद को लल्लेश्वरी, लला, ललयोगेश्वरी ललारिफा आदि नामों से भी जाना जाता है।
- ललद्यद की काव्य शैली को 'वाख' कहा जाता है।
- उन्होंने तत्कालीन पंडिताऊ भाषा संस्कृत और दरबार के बोझ से दबी फारसी के स्थान पर जनता की सरल भाषा का प्रयोग किया है।
- ललद्यद आधुनिक कश्मीरी भाषा का प्रमुख स्तंभ मानी जाती है।

मृत्यु :- सन् 1391 के आसपास

पाठ-परिचय

प्रस्तुत वाखों का संकलन मीरा कान्त जी ने किया है। पहले वाख में ललद्यद ने ईश्वर - प्राप्ति के लिए किए जाने वाले अपने प्रयासों की व्यर्थता की चर्चा की है। दूसरे में बाह्याडंबरों का विरोध करते हुए यह कहा गया है कि अंत: करण से समभावी होने पर ही मनुष्य की चेतना व्यापक हो सकती है अर्थात् इस मायाजाल में कम से कम लिप्त होना चाहिए। कवयित्री के आत्मालोचन की अभिव्यक्ति तीसरे वाख में है। चौथे वाख में भेदभाव का विरोध और ईश्वर की सर्वव्यापकता का बोध है। वे आत्मज्ञान को ही सच्चा ज्ञान मानती हैं।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. ' रस्सी ' यहाँ किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है?

उत्तर- रस्सी यहाँ जीवात्मा अर्थात् निरन्तर चलने वाली साँसों के लिए प्रयुक्त हुआ है। यह रस्सी कच्चे धागे के समान कमजोर है जो कभी भी टूट सकती है।

2. कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

उत्तर- कवयित्री सांसारिक मोह - माया, लोभ आदि बंधनों से मुक्त नहीं हो पा रही है। ऐसे में वह प्रभु भक्ति सच्चे मन से नहीं कर पा रही है। उसकी साँसों की डोर अत्यंत कमजोर है। उसे लगता है कि उसके द्वारा की जा रही सारी साधनाएँ व्यर्थ होती जा रही हैं। इसलिए उसके द्वारा मुक्ति के लिए किए गए सारे प्रयास विफल हो रहे हैं।

3. कवयित्री का घर जाने की चाह से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- कवयित्री का घर जाने की चाह से तात्पर्य प्रभु से मिलना है। कवयित्री इस भवसागर से मुक्ति पाकर अपने प्रभु की शरण में जाना चाहती है। वह भगवान की शरण को अपना असली घर मानती है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) जेब टटोली कौड़ी न पाई ।

उत्तर- भाव- कवयित्री कहती हैं कि इस संसार में आकर वह सांसारिकता में उलझ कर रह गई है। जब उन्होंने जीवन के अंतिम क्षण में अपने जीवन का लेखा- जोखा देखा, तो उनकी भक्ति के परिणामस्वरूप उनके पास प्रभु को देने के लिए कुछ भी नहीं था। अब उसे चिंता सता रही है कि भवसागर पार कराने वाले माँझी अर्थात् ईश्वर को उतराई के रूप में क्या देगी।

(ख) खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए सांसारिक भोग और त्याग के बीच का मध्यम मार्ग अपनाने की सलाह दी है। कवयित्री कहती है कि मनुष्य को भोग विलास में पड़कर कुछ भी प्राप्त नहीं होगा और मनुष्य जब सांसारिक भोगों को पूरी तरह से त्याग देता है तब उसके मन में अहंकार की भावना पैदा होती है इसलिए विषय - वासनाओं के भोग एवं त्याग के मध्यम मार्ग को अपनाना चाहिए।

5. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए कवयित्री ने क्या उपाय सुझाया है?

उत्तर- बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए कवयित्री ने निम्नलिखित उपाय अपनाने का सुझाव दिया है-

क) मनुष्य को सांसारिक मोह - माया में अधिक लिप्त नहीं रहना चाहिए और न ही इनसे विमुख होना चाहिए। उसे मध्यम मार्ग अपनाकर संयमपूर्ण जीवन जीना चाहिए।

ख) मनुष्य को भेदभाव रहित होकर ईश्वर की सच्ची भक्ति करनी चाहिए।

6. ईश्वर प्राप्ति के लिए बहुत से साधक हठयोग जैसी कठिन साधना भी करते हैं, लेकिन उससे भी लक्ष्य प्राप्ति नहीं होती । यह भाव किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

उत्तर- उपर्युक्त भाव निम्न पंक्तियों में व्यक्त हुआ है-

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह ।

सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!

जेब टटोली, कौड़ी न पाई ।

माझी को दूँ, क्या उतराई ?

7. ' ज्ञानी ' से कवयित्री का क्या अभिप्राय है?